स्वराज्य दल के संस्थापक : दशबंधु चितरंजन दास

अमर कांत

देशबन्धु चितरंजन दास (1870–1925) कवि, विधिवेत्ता, ईश्वर–भक्त तथा देश के एक महत्तम राजनीतिक नेता तथा योद्धा थे। उनका जन्म कलकत्ता में 5 नवम्बर, 1870 को हुआ था और 16 जून, 1925 को दार्जिलिंग में उनका स्वर्गवास हुआ। जब वे लन्दन में (1890–1892) विद्यार्थी थे, उस समय उन्होंने दादाभाई नौरोजी के चुनाव अभियान में भाग लिया था। 1908 ई० में चितरंजन दास ने अलीपुर बम षड़यन्त्र अभियोग में अरविन्द घोष की शानदार पैरवी की। उन्होंने पाँच कविता–संग्रह प्रकाशित किये – 'मलंच' (1895) 'माला' (1904,) 'अन्तर्यामी (1915), 'किशोर–किशोरी' तथा 'सागर–संगीत' (1913)। उन्होंने 'नारायण' नामक एक बंगाली मासिक पत्रिका प्रारम्भ की। 1915 में वे बंगला साहित्य सम्मेलन के पटना अधिवेशन के सभापति चुने गये। उन्होंने कुछ वैष्णव कीर्तन गीत भी लिखे। अक्टूबर, 1923 ई० में उन्होंने अपना पत्र 'फॉरवर्ड' आरम्भ किया।